

- ③ बाह का आकार
- धुंधरावा बाह
 - छहरदार "
 - मुलायम "
- ④ नाक की आकृति
- दुबी नाक वाली प्रजाति
 - पतली " " "
 - टेढ़ी " " "
- ⑤ होठ का स्वरूप
- मौला होठ और लटका हुआ
 - पतला होठ

प्रजाति वर्गीकरण के वैज्ञानिक व आधुनिक आधार :-

प्रजातियों के वर्गीकरण का अधिक वैज्ञानिक आधार समपित्यक एक प्रकार है जिसमें जीन की शुद्धि सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। स्थिति होता है क्योंकि यह अपेक्षाकृत अधिक स्थिर होता है इसके प्रभाव के कारण शारीरिक लक्षण भी प्रायः सामान्य होते हैं जीन की संरचना - चार विभिन्न रक्त वर्गों में की जाती है।

① AB ② A ③ B ④ O इसके अतिरिक्त वर्तमान समय में M, N और RH का भी

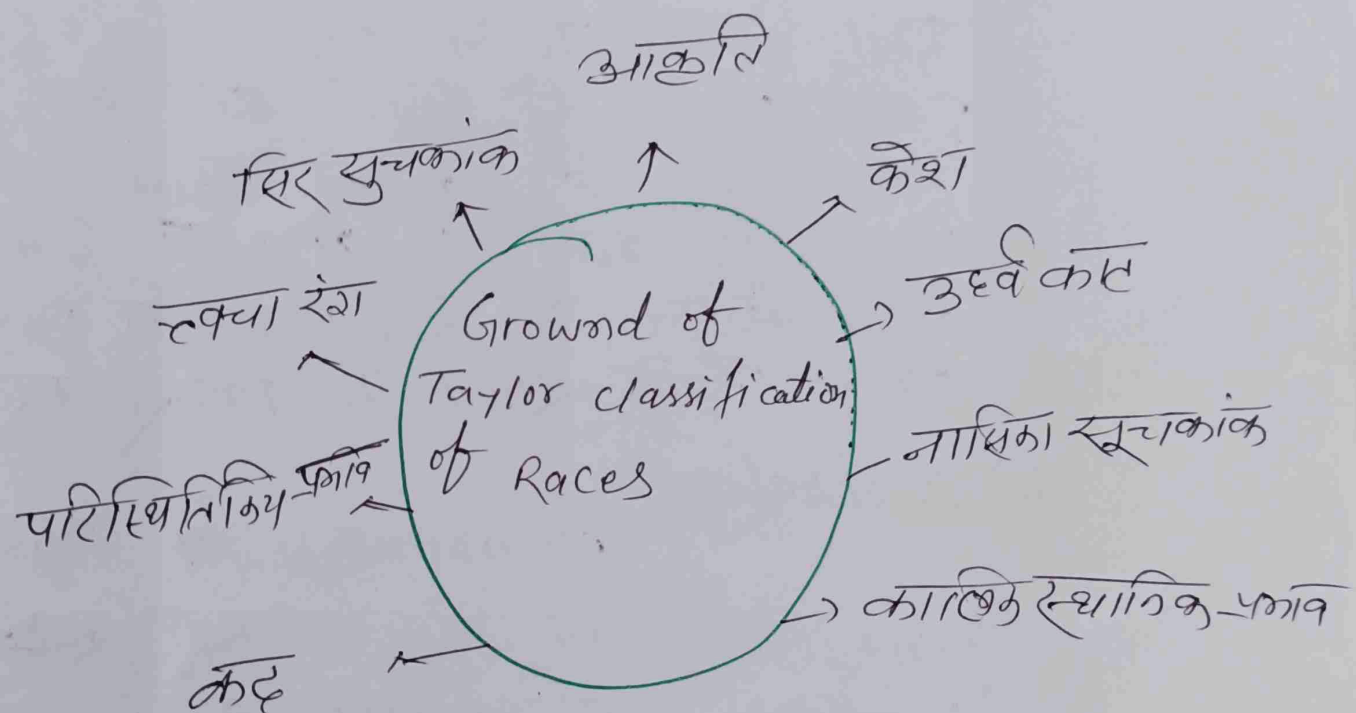
अन्वेषण किया जाता है जिस भौगोलिक क्षेत्र में जिस रक्त वर्ग की प्रधानता

होती है उसे अनुसार प्रजाति का वर्गीकरण किया जाता है।

मानव प्रजातियों का वर्गीकरण प्रस्तुत करने वाले विद्वानों में Landstone, Haeiden, Garfith Taylor आदि प्रमुख हैं।

Garfith Taylor के अनुसार प्रजाति वर्गीकरण एवं विश्ववितरण :-

Taylor ने जिन आधारों पर प्रजाति वर्गीकरण प्रस्तुत किया



उपरोक्त तत्वों के आधार पर मानते हुए ट्रेलर ने विश्व की मानव प्रजाति को '7' वर्गों में विभाजित किया है।

- | | |
|--------------|-----------------|
| ① Nigrito | ⑤ Nigro |
| ② Australoid | ⑥ Mediterranean |
| ③ Nordic | ⑦ Mongoloid |
| ④ Alpine | |

① Nigrito :-

सर्वाधिक पुरानी प्रजाति Nigrito अपने उद्गम स्थल से सबसे पहले स्थानांतरित होकर पहले इस महाद्वीप के छोटे तक पहुंच गये Nigrito नारे कद, काला या चॉकलेटी रंग, चौड़ी और चपड़ी नाक, चौड़े और छल्लेदार बांस आंखों की ओर निकला हुआ जबड़ा, 70 से कम कपाल सूचकांक आदि लक्षणों से युक्त होते हैं ये प्रजाति अब नगन्य हैं क्योंकि इसका काफी मिश्रण हो गया है ये लोग अफ्रिका के कांगो बेसिन, मलाया, आण्डमान निकोबार द्वीप श्रृंखला आदि स्थानों में निवास करते हैं

② Australoid :-

उद्गम कर्म में तीसरा प्रजाति ऑस्ट्रेलॉयड का सिर लम्बा (~~72~~ 74 कपाल सूचकांक) उनी धुंधला काल, काला चमकदार रंग, जबड़ा आगे निकला हुआ और नाक चौड़ी होती है ऑस्ट्रेलॉयड सभी प्रजातियों के प्रतिनिधित्व है ऑस्ट्रेलॉयड के अलावा दक्षिण भारत के अनेकों मध्य अफ्रिका में ये प्रजाति पाई जाती है